

---

# Ratikritam 1 Shiva Stotram

रतिकृतं १ शिवस्तोत्रम्

## Document Information

---

Text title : Ratikritam 1 Shiva Stotram

File name : ratikRRitaM1shivastotram.itx

Category : shiva, lakShmInArAyaNIyasaMhitA, stotra

Location : doc\_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : lakShmInArAyaNIyasaMhitA | khaNDa 1 | adhyAya 185/142-152||

Latest update : December 25, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 25, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Ratikritam 1 Shiva Stotram

---

### रतिकृतं १ शिवस्तोत्रम्

---



रतिश्चापि तदा शम्भुं जगाम शरणं ततः ।  
उद्धृत्यगानं शुभ्रेण लृष्टेन स्मरन्मना ॥ १४२ ॥  
जानुभ्यामवनिं गत्वा प्रोवाच दुःखसागरा ।  
नमोऽस्तु शम्भवे नाम्ना कर्मणा दुःखदाय य ॥ १४३ ॥  
नमस्ते पार्वतीस्मर्त्रे रत्या विलापकारिणे ।  
सतीभृगाय नमः कादायित्थयोगिने नमः ॥ १४४ ॥  
नमो मायाद्यधिष्ठाय मायाहीनाय ते नमः ।  
नमो ब्रह्मस्वरूपाय कृष्णरूपाय ते नमः ॥ १४५ ॥  
नमो वैराजरूपाय सदाशिवाय ते नमः ।  
नमः शिवाय रुद्राय लिङ्गरूपाय ते नमः ॥ १४६ ॥  
नमो ज्योतिःस्वरूपाय शतरुद्राय ते नमः ।  
नमस्ते कोटिरुद्राय नमः कैलासवासिने ॥ १४७ ॥  
नमस्ते द्विस्वरूपाय दुःखविरडिणे नमः ।  
सतीनाथाय शान्ताय योगिने ते नमो नमः ॥ १४८ ॥  
नमो वृषभरूपाय शरभाय य ते नमः ।  
नमः किरातरूपाय विवस्त्राय य ते नमः ॥ १४९ ॥  
ब्राह्मणेषु भिक्षुकाय रतिरामाय ते नमः ।  
अनङ्गाय मलाङ्गाय ज्वनाय य ते नमः ॥ १५० ॥  
नमस्तेऽस्तु सकामाय ध्वस्तकामाय ते नमः ।  
नमस्तेऽस्तु शराण्याय भक्तेष्टदाय ते नमः ॥ १५१ ॥  
नमोऽस्त्वसख्यकोपाय प्रियाऽऽमिदाय ते नमः ।  
प्रयच्छ कामद्रव्यं मे कथं ज्ञुवे पतिं विना ॥ १५२ ॥

एति श्रीलक्ष्मीनारायणीयसंछितायां प्रथमे कृतयुगसन्ताने  
१८५-अध्यायान्तर्गतं रतिकृतं शिवस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

लक्ष्मीनारायणीयसंछिता । अ३५ १ । अध्याय १८५/१४२-१५२ ॥

lakShmInArAyaNIyasaMhitA . khaNDa 1. adhyAya 185/142-152..

Proofread by PSA Easwaran

---

—  
*Ratikritam 1 Shiva Stotram*

pdf was typeset on December 25, 2025

—  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

